

मोड्यूल 9अ: आंकलन तथा वर्गीकरण

सत्र 7 : बीमार बच्चे की जाँच तथा वर्गीकरण : एनीमिया (खून की कमी) तथा टीकाकरण, विटामिन 'ए' तथा आयरन की जाँच तथा वर्गीकरण

दिवस : 5

समयावधि : 1 घं. 30 मि.

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशा में निम्न योग्यताएँ आएँगी:

1. बताना कि एनीमिया का आंकलन करते समय क्या देखना चाहिये।
2. टीकाकरण का राष्ट्रीय कार्यक्रम क्या है यह बताना और यदि बच्चे को सारे टीके न लगे हो तो क्या करना है यह बताना।
3. विटामिन 'ए' तथा आयरन देने का कार्यक्रम तथा सूचना की जानकारी कहाँ प्राप्त होगी यह बताना।

सामग्री तथा तैयारी

- इस मोड्यूल की शुरुआत में दी गई प्रशिक्षण सामग्री की जाँच-सूची देखें। यह सामग्री बीमार शिशु के मोड्यूल में प्रयोग की जाएगी।

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

गतिविधि 1: प्रशिक्षणार्थी 'एनीमिया की जाँच' से 'एनीमिया का वर्गीकरण' वाला भाग पढ़ें।

ध्यान रखें कि सभी ने यह पढ़ लिया है। सभी से पूछें कि एनीमिया की जाँच के लिये क्या-क्या देखना है? (उत्तर – हथेलियों का फीकापन)। सभी प्रशिक्षणार्थियों के संदेह का समाधान करें।

गतिविधि 2: प्रदर्शन: एनीमिया का वर्गीकरण

1. प्रशिक्षक एनीमिया का वर्गीकरण समझाने के लिये चार्ट का प्रयोग करें।
 2. बतायें कि बच्चे में लक्षण मौजूद हो या नहीं उसके लिए निम्न में से एक वर्गीकरण का चयन करना होगा। बच्चे में एनीमिया के तीन वर्गीकरण संभव है –
 - गंभीर एनीमिया
 - एनीमिया
 - एनीमिया नहीं
- यदि बच्चे की हथेलियों में ज्यादा फीकापन हैं तो उसे गंभीर एनीमिया है।
 - यदि बच्चे की हथेलियों में कुछ फीकापन है तो उसे एनीमिया है।
 - यदि बच्चे की हथेलियों में फीकापन नहीं है तो उसे एनीमिया नहीं है।

गतिविधि 3: फोटोग्राफ द्वारा अभ्यास – समूह में अभ्यास

1. सभी प्रशिक्षणार्थियों को इकट्ठा करें। फोटो नं. 21 से 23 ब दिखाये। सर्वप्रथम सबसे पूछें कि उन्हें क्या दिखाई दे रहा है और क्या बच्चे को एनीमिया है? उनके उत्तर सुनें। सही उत्तरों की प्रशंसा करें और प्राप्त उत्तर पर चर्चा करें। तत्पश्चात् अगला उदाहरण दें।

तस्वीर 21 : बच्चे की त्वचा सामान्य है। हथेली का कोई फीकापन नहीं है।

तस्वीर 22 अ : इस तस्वीर में दो अलग-अलग बच्चों के हाथ दिखाए गए हैं। बाएं तरफ के बच्चे को हथेली का कुछ फीकापन है।

तस्वीर 22 ब : दाईं तरफ के बच्चे को हथेली का कोई फीकापन नहीं है।

तस्वीर 23 अ : इस तस्वीर में दो अलग-अलग बच्चों के हाथ दिखाए गए हैं। बाएं तरफ के बच्चे को हथेली का कोई फीकापन नहीं है।

तस्वीर 23 ब : दाईं तरफ के बच्चे को हथेली का ज्यादा फीकापन है।

2. पहली हल करने का अभ्यास — अब फोटो नं. 24 से 29 दिखायें। सभी प्रशिक्षणार्थियों को स्वयं बताने दें कि बच्चे की हथेलियों में ज्यादा फीकापन, कुछ फीकापन है या हथेलियाँ एकदम ठीक हैं। प्रशिक्षणार्थी की प्रशिक्षण पुस्तिका में दिये गये कागज़ में उचित बाक्स में निशान लगाने को कहे। जब लोग हल कर लें तो उत्तरों की जाँच करें।

	क्या बच्चे में यह चिन्ह है ?		
	ज्यादा फीकापन	कुछ फीकापन	फीकापन नहीं
तस्वीर 24		✓	
तस्वीर 25			✓
तस्वीर 26 अ	✓		
तस्वीर 26 ब			✓
तस्वीर 27	✓		
तस्वीर 28		✓	
तस्वीर 29	✓		

गतिविधि 4: एनीमिया के लिए एक-दूसरे की जाँच

सभी प्रशिक्षणार्थियों को बतायें कि वे एक-दूसरे की हथेलियों में फीकेपन की जाँच करें तथा अंत में प्रशिक्षक उनके उत्तरों पर चर्चा करें।

गतिविधि 5: विडियो के माध्यम से अभ्यास — 'पी' अभ्यास 'कुपोषण तथा एनीमिया की जाँच'

गतिविधि 6: 'बच्चे में टीकाकरण, प्रतिरक्षक विटामिन 'ए' देने तथा पूरक आयरन-फोलिक की स्थिति से लेकर 'अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आंकलन' तक पढ़ें।

1. सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षणार्थी की प्रशिक्षण पुस्तिका से पढ़ने को कहें।
2. संदेह और प्रश्नों का समाधान करें। या तो उनका उत्तर उसी समय दें या बाद के सत्रों में उत्तर देने के लिये नोट कर लें।

गतिविधि 7: सामूहिक चर्चा: टीकाकरण तथा अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ

1. अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में सामूहिक चर्चा करें। सभी से कहें कि उनकी जानकारी में जो स्वास्थ्य समस्याएँ हों, उसकी सूची बनायें। उन्हें फ्लिप चार्ट पर लिखें। बतायें कि त्वचा पर फोड़े फुंसियाँ, खराश,

आँखों में लाली/ दर्द तथा कान से मवाद आना — यह सामान्य रोग हैं। इनसे सामान्यतया मृत्यु नहीं होती। लेकिन रोगी को राहत पहुँचाने के लिये इनका तुरंत उपचार आवश्यक है।

- इन रोगों की पहचान तथा उपचार किया जाना चाहिये इस कोर्स में इनके उपचार के बारे में नहीं बताया जायेगा।
 - प्रशिक्षणार्थियों के साथ मिलकर सरकार द्वारा जारी टीकाकरण की मार्गदशिकाओं की चर्चा करें।
 - बतायें कि सभी बच्चों को 12 माह की आयु से पूर्व बी.सी.जी. के टीके, डी.पी.टी. तथा पोलियो की 3 खुराकें तथा खसरे के टीके लग जाने चाहिये।
 - शिशु जन्म के पहले कुछ हफ्तों में ही बी.सी.जी. का टीका लग जाने चाहिये।
 - डी.पी.टी. तथा पोलियो की तीन खुराकें 1 महीने के अंतर पर दी जानी चाहिये।
 - खसरे का टीका 9 माह की आयु पर लगना चाहिये
 - बच्चा बीमार हो तो भी टीके लगाये जा सकते हैं। यदि बच्चा गंभीर रूप से बीमार और उसे अस्पताल भेजा जा रहा है तो टीके नहीं लगाने चाहिये।
 - टीकों का रिकॉर्ड रखने से कौन सा टीका लगा है या नहीं इसकी जानकारी रहती है तथा अनावश्यक रूप से दुबारा टीकाकरण से बचा जा सकता है।
 - आईएफए बच्चे की आयु 6 माह अथवा इससे अधिक है और उसे पिछले एक साल में 100 दिन के लिए आईएफए की खुराक नहीं मिली है तो बीमारी से ठीक होने के बाद बच्चे को आईएफए की एक गोली 1 वर्ष में 100 दिन के लिए दें।
 - विटामिन 'ए' — बच्चों के आयु के अनुसार विटामिन 'ए' की खुराक दें।
2. प्रशिक्षणार्थियों से पूछें कि निम्न परिस्थितियों में वे क्या करेंगे —
- किसी बच्चे को कोई भी टीका नहीं लगा है? (बच्चे को माँ के साथ स्वास्थ्य केन्द्र पर ले जायें या अगले स्वास्थ्य/ टीकाकरण शिविर में बुलायें)
 - किसी 4 माह के शिशु का कार्ड देखने पर आपने पाया कि उसे डी.पी.टी. की दूसरी खुराक देने में देर हो चुकी है? (ऊपर दिये हुये उत्तर अनुसार)

गतिविधि 8: अभ्यास करवायें: बच्चों में टीके लगवाने की आवश्यकता समझाना।

अभ्यास के लिए:

1. देखें कि सभी प्रशिक्षणार्थी चार्ट में दिये गये टीकाकरण वाले भाग को देख रहे हैं।
2. फ्लिप चार्ट पर लिखें कि किस आयु में टीके लगवाने हैं।
3. एक उदाहरण देकर समझायें। अपने सह-प्रशिक्षक से पूछें — 'खॉसी जुकाम से पीड़ित 6 माह का बच्चा आशा के पास लाया जाता है। उसे बी.सी.जी., डी.पी.टी.-1 डी.पी.टी.-2, पोलियो-1 तथा पोलियो-2 दिये जा चुके हैं। आज उसे कौन से टीके देने हैं?' (उत्तर— डी.पी.टी.-3 तथा पोलियो-3)
4. सभी प्रशिक्षणार्थियों को धीरे-धीरे समझायें कि कौन सी खुराकें दी जा चुकी है। फिर उनसे पूछें कि आज कौन सी खुराकें देनी हैं।
5. अभ्यास तब तक जारी रखें जब तक सभी को टीकाकरण के बारे में सही जानकारी न हो जाये।

प्रश्न		उत्तर
आज आप कौनसे टीके लगवाने की सलाह दोगी यदि बच्चा:		
बच्चे की आयु	बच्चे को निम्न टीके लगे है	
2 माह	बी.सी.जी.	पोलिओ 1, डी.पी.टी.1
5 माह	बी.सी.जी.	पोलिओ 1, डी.पी.टी.1
4 माह	बी.सी.जी. पोलिओ 1, डी.पी.टी.1	पोलिओ 2, डी.पी.टी.2
11 माह	बी.सी.जी. डी.पी.टी. 3 डोस, पोलिओ, खसरा	कुछ भी आवश्यक नहीं
8 माह	बी.सी.जी. पोलिओ 1, डी.पी.टी.1	पोलिओ 2 डी.पी.टी. 2
6 माह	बी.सी.जी. पोलिओ 3 डोस डी.पी.टी. 3 डोस	कुछ भी आवश्यक नहीं
7 माह	बी.सी.जी. पोलिओ 1, 2 डी.पी.टी.1, 2	पोलिओ 3 डी.पी.टी. 3
5 माह	पोलिओ 1, 2 डी.पी.टी.1, 2	बी.सी.जी.
10 माह	बी.सी.जी. पोलिओ 3 डोस डी.पी.टी.3 डोस	खसरा

सारांश:

- प्रशिक्षणार्थियों से पूछें कि एनीमिया का आंकलन करते समय वे क्या देखते हैं? (उत्तर: हथेलियों का फीकापन)
- प्रशिक्षणार्थियों से पूछें कि एनीमिया के कौनसे 3 वर्गीकरण हो सकते हैं: (उत्तर: गंभीर फीकापन, कुछ फीकापन, एनीमिया नहीं)
- प्रशिक्षणार्थियों से पूछें कि बी.सी.जी., डी.पी.टी., और खसरे के लिए सरकारी मार्गदशक क्या है? (उत्तर: बी.सी.जी., डी.पी.टी. और पोलियो के 3 डोस, और खसरे के टीके बच्चा 12 माह का पूरा होने के पहले लगे)
- प्रशिक्षणार्थियों से पूछें कि बच्चे को आईएफए कब और कितनी देनी है? (उत्तर: बच्चे की आयु 6 माह अथवा इससे अधिक है और उसे पिछले एक साल में 100 दिन के लिए आईएफए की खुराक नहीं मिली है तो बीमारी से ठीक होने के बाद बच्चे को आईएफए की एक गोली 1 वर्ष में 100 दिन के लिए दें।)
- प्रशिक्षणार्थियों से पूछें कि विटामिन 'ए' और आईएफए कब और कितना देना है यह जानकारी कहाँ मिलेगी?

(उत्तर: आईएमसीआई चार्ट पर)

उद्देश्य	आंकलन विधि
बताना कि एनीमिया का आंकलन करते समय क्या देखना चाहिये।	प्रश्न उत्तर तथा फोटो द्वारा अभ्यास
टीकाकरण का राष्ट्रीय कार्यक्रम क्या है यह बताना और यदि बच्चे को सारे टीके न लगे हो तो क्या करना है यह बताना।	प्रश्न उत्तर तथा अभ्यास
विटामिन 'ए' तथा आयरन देने का कार्यक्रम तथा सूचना की जानकारी कहाँ प्राप्त होगी यह बताना।	प्रश्न उत्तर तथा (समूह में चर्चा)